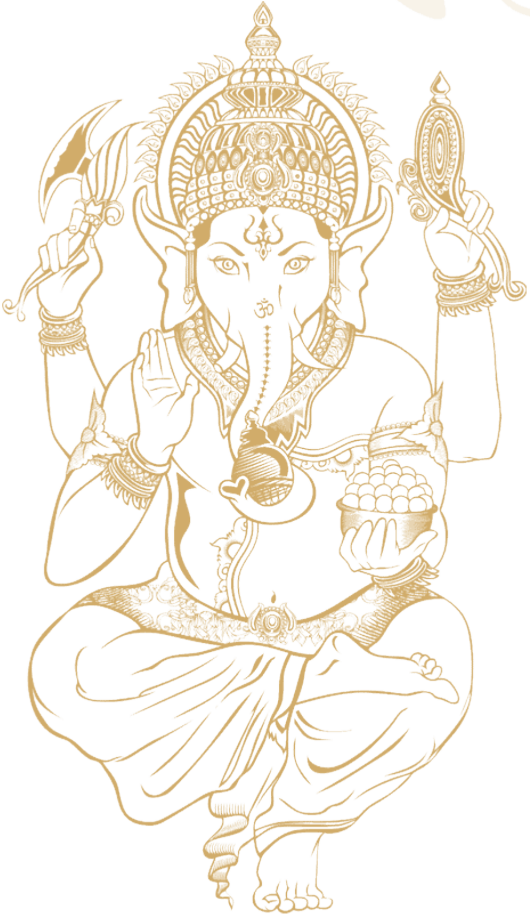

Srikant

18 May 1995

06:00 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121115203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/05/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	31:14:35 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:33:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:16:21 घंटे
सूर्योदय	05:30:09 घंटे
सूर्यास्त	19:16:07 घंटे
दिनमान	13:45:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:18:53 वृष
लग्न के अंश	18:12:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:12:39	303:50:04	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	03:18:53	00:57:47	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	24:39:54	14:36:42	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	03:04:38	00:25:23	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध			वृष	23:12:01	00:28:10	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	18:27:22	00:07:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मेष	08:04:50	01:12:44	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	29:02:44	00:04:29	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		तुला	11:39:30	00:02:18	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	11:39:30	00:02:18	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	06:36:29	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:38:34	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	05:29:38	00:01:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	22:50:35	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:42

लग्न-चलित

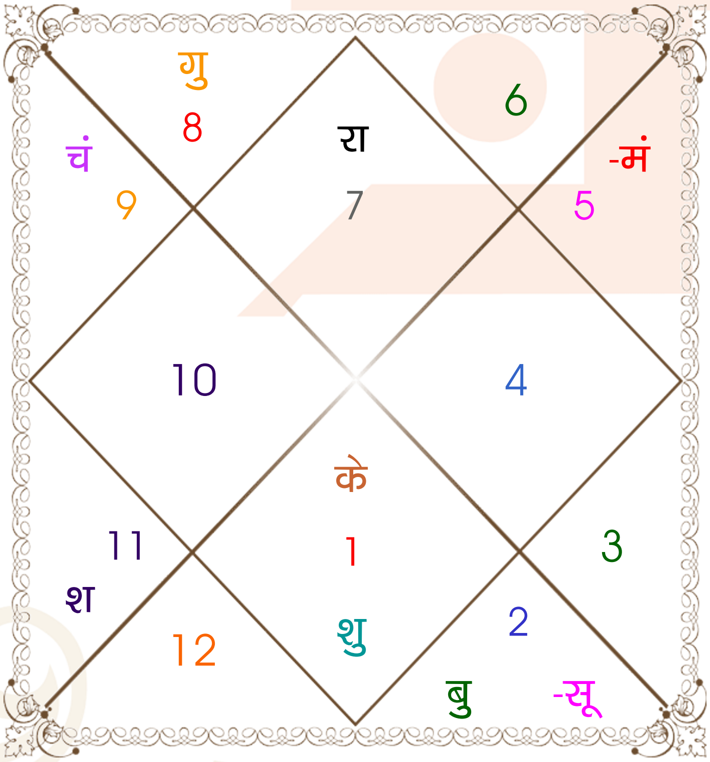

चन्द्र कुंडली

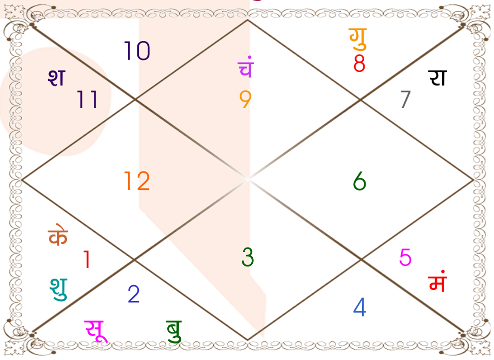

नवमांश कुंडली

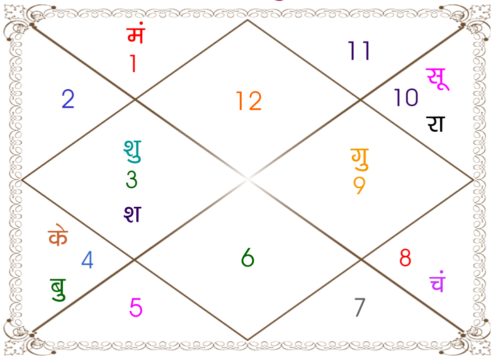

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 0 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/05/1995		**19/05/1998**		**18/05/2004**		**19/05/2014**		**19/05/2021**	
19/05/1998		**18/05/2004**		**19/05/2014**		**19/05/2021**		**19/05/2039**	
	00/00/0000	सूर्य	06/09/1998	चंद्र	19/03/2005	मंगल	15/10/2014	राहु	30/01/2024
	00/00/0000	चंद्र	07/03/1999	मंगल	18/10/2005	राहु	03/11/2015	गुरु	25/06/2026
	00/00/0000	मंगल	13/07/1999	राहु	19/04/2007	गुरु	09/10/2016	शनि	30/04/2029
	00/00/0000	राहु	06/06/2000	गुरु	18/08/2008	शनि	17/11/2017	बुध	18/11/2031
	00/00/0000	गुरु	25/03/2001	शनि	19/03/2010	बुध	15/11/2018	केतु	05/12/2032
	00/00/0000	शनि	07/03/2002	बुध	19/08/2011	केतु	13/04/2019	शुक्र	06/12/2035
	18/05/1995	बुध	11/01/2003	केतु	19/03/2012	शुक्र	12/06/2020	सूर्य	30/10/2036
बुध	19/03/1997	केतु	19/05/2003	शुक्र	17/11/2013	सूर्य	18/10/2020	चंद्र	01/05/2038
केतु	19/05/1998	शुक्र	18/05/2004	सूर्य	19/05/2014	चंद्र	19/05/2021	मंगल	19/05/2039

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/05/2039		**19/05/2055**		**19/05/2074**		**19/05/2091**		**19/05/2098**	
19/05/2055		**19/05/2074**		**19/05/2091**		**19/05/2098**		**00/00/0000**	
गुरु	06/07/2041	शनि	22/05/2058	बुध	15/10/2076	केतु	15/10/2091	शुक्र	18/09/2101
शनि	18/01/2044	बुध	29/01/2061	केतु	12/10/2077	शुक्र	15/12/2092	सूर्य	19/09/2102
बुध	25/04/2046	केतु	10/03/2062	शुक्र	12/08/2080	सूर्य	21/04/2093	चंद्र	19/05/2104
केतु	01/04/2047	शुक्र	10/05/2065	सूर्य	18/06/2081	चंद्र	20/11/2093	मंगल	20/07/2105
शुक्र	30/11/2049	सूर्य	22/04/2066	चंद्र	18/11/2082	मंगल	19/04/2094	राहु	19/07/2108
सूर्य	18/09/2050	चंद्र	21/11/2067	मंगल	15/11/2083	राहु	07/05/2095	गुरु	20/03/2111
चंद्र	18/01/2052	मंगल	30/12/2068	राहु	03/06/2086	गुरु	12/04/2096	शनि	20/05/2114
मंगल	24/12/2052	राहु	06/11/2071	गुरु	08/09/2088	शनि	22/05/2097	बुध	19/05/2115
राहु	19/05/2055	गुरु	19/05/2074	शनि	19/05/2091	बुध	19/05/2098		00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 0 मा 11 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।